स्वतंत्र भारत
मंगलवार, 6 सितम्बर 2005 | 11

फर्रुखाबाद को पर्यटन के माध्यम से विश्व के मानचित्र पर लाने का प्रयास

फर्रुखाबाद

फर्रुखाबाद को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिये तथा यहां के लोगों को रोजगार के अतिरिक्त साधन उपलब्ध कराने तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये एक विस्तृत कार्ययोजना भारत सरकार को सौंपी जायेगी। कम्पिल, संकिसा जैसे ऐतिहासिक स्थलों का दो दिवसीय निरीक्षण भारत पर्यटन विकास निगम के विपणन प्रबंधक ऐ.के. गुप्ता तथा द्रोपदी ड्रीम ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा ने किया।

ऐतिहासिक स्थलों की रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी जायेगी। जिसमें कम्पिल के महाभारत काल से लेकर आज तक की घटनाओं का जिक्र किया गया है। श्रीमती मिश्रा ने आज सूर्या होटल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि भारत निर्माण के लिये विश्व बैंक से भारी मात्रा में धनराशि मिली है। उसी के तहत फर्रुखाबाद का भी हम यहां के उत्साहित युवकों को साथ लेकर कार्य करेंगे, जिसमें 'फर्रुखाबाद निर्माण सेना' का गठन किया जायेगा। जिसमें युवकों को बेरोजगार समस्या, सफाई अभियान भी चलाया जायेगा।

पर्यटक स्थलों के माध्यम से हम हजारों बेरोजगारों को रोजगार दे सकते है। इसमें फर्रुखाबाद को हरित शहर बनाना, गंगाघाटों का सौन्दर्यीकरण करना, जिससे पर्यटक आकर्षक हों। जिससे विदेशी पर्यटक अपनी पूरा यहां खर्च करें। एक विदेशी प्रतिदिन औसतन चार हजार रुपये का खर्च करता है। उन्होंने बताया कि इस निर्माण सेना में यूथ वेलफेयर सोसायटी, नेहरू युवा केंद्र को भी जोड़ा जायेगा। इसके पदेन अध्यक्ष जिलाधिकारी डा. परमजीत सिंह बख्शी होंगे। श्रीमती नीरा मिश्रा ने उन्होंने इसकी अनुमति दे दी है।

युवाओं को रचनात्मक कार्य में लगाकर उनकी ऊर्जा का सदुपयोग करना आज की जरूरत है। युवा शक्ति के माध्यम से ही बड़े-बड़े कार्य इस देश में हो रहे है। इस दौरान यूथ वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष नितिन अग्रवाल, सचिव प्रशान्त चौहान मौजूद रहे। निर्माण सेना विकासपरक एवं रचनात्मक कार्यों में कार्य करेगी।

इससे पहले एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें पर्यटन को बढ़ावा देने तथा मूलभूत चीजों पर प्रकाश डाला गया। इसमें प्रियंका सिंह, अनुपमा वर्मा, मानवी सक्सेना, अनुराग आयाल, अर्चना बब्बल, प्रवी जैन, शैल्पा रिजवी, कविता शुक्ला, डिंपी देवल, रजनी, रिजी

फर्रुखाबाद को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिये तथा यहां के लोगों को रोजगार के अतिरिक्त साधन उपलब्ध कराने तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये एक विस्तृत कार्ययोजना भारत सरकार को सौंपी जायेगी। कम्पिल संकिसा जैसे ऐतिहासिक स्थलों का दिवसीय निरीक्षण भारत पर्यटन विकास निगम के विपणन प्रबंधक ऐ.के. गुप्ता तथा द्रोपदी ड्रीम ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा ने किया।

अमर उजाला
कानपुर, मंगलवार, 6 सितंबर, 2005

पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना बनेगी

कंपिल तथा संकिसा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाएगा महत्व

अमर उजाला प्रतिनिधि

फर्रुखाबाद। भारतीय पर्यटन विकास निगम के सीनियर मैनेजर अनिल कुमार गुप्ता ने जिले में पर्यटन की असीम संभावनाएं बताते हुए रिपोर्ट तैयार कर प्लानिंग बनाए जाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित पर्द कंपिल और संकिसा के पौराणिक महत्व को देखते हुए पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए योजना का खाका खींचा गया है। उनका प्रयास रहेगा कि जिले में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी योजनाएं तैयार की जाएं और उसमें प्रस्तावित बजट को जिले के लिए आवंटित कराया जा सके।

यूथ वेलफेयर सोसाइटी की कार्यशाला में भाग लेने आए निगम के मैं... बातचीत कर रहे थे। एक दिन पूर्व कार्यशाला में उन्होंने छात्र-छात्राओं को टूरिज्म एवं ट्रैवेल विषयक जानकारी दी। श्री गुप्ता ने जिले में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। अफसोस की बात है कि पौराणिक महत्व होने के बावजूद पर्याप्त पर्यटन का विकास नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि कंपिल और संकिसा के पौराणिक महत्व को समझते हुए रिपोर्ट तैयार की गई है।

इसके लिए प्लानिंग बनाकर सरकार को प्रस्ताव दिया जाएगा, जिससे जनपद में पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। श्री गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर विश्व बैंक से आने वाली धनराशि को जिले के लिए आवंटित कराने का प्रयास किया जाएगा।

द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा ... पौराणिक नगरी कंपिल से होगा। ट्रस्ट की ओर से निर्माण सेना का खाका तैयार कर लिया गया है। इसके माध्यम से ही युवाओं और पुरातत्वविदों को जोड़कर योजना को मूर्तरूप दिया जाएगा। उन्होंने अफसोस बताया कि जिले में सड़कों की दुर्दशा और ट्रांसपोर्ट की कठिन समस्या के कारण पर्यटक दूर भाग रहे हैं। हमारा प्रयास होगा कि पर्यटक किस तरह से जिले की ओर आकर्षित हों, इसके लिए ट्रस्ट प्रयासरत है। सोसाइटी के सचिव प्रशांत चौहान ने बताया कि निर्माण सेना में संघर्षशील युवाओं को जोड़ा जाएगा। निर्माण सेना का कार्य सफाई, पर्यावरण जैसे मूलभूत मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने बताया कि सोसाइटी युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए लगातार प्रयासरत है। वार्ता में सोसाइटी के अध्यक्ष नितिन

दैनिक जागरण
मंगलवार, 6 सितंबर, 2005

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कवायद

सिटी रिपोर्टर, फर्रुखाबाद

भारतीय पर्यटन विकास निगम के सीनियर कन्सलटेंट ए.के.गुप्ता ने कहा कि फर्रुखाबाद में काफी ऐतिहासिक स्थल हैं, जिनके माध्यम से हम पर्यटकों को आकर्षित करके फर्रुखाबाद में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दे सकते हैं।

श्री गुप्ता फर्रुखाबाद में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न आवश्यकताओं पर अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिये आये हुये हैं। सूर्या होटल में 'जागरण' से वार्ता में कहा कि एक सर्वे के अनुसार एक विदेशी पर्यटक प्रतिदिन भारत में चार हजार रुपये खाने-पीने, घूमने व रहने पर खर्च करता है। फर्रुखाबाद में अगर दस हजार विदेशी पर्यटक भी प्रतिवर्ष आने लगें तो चार करोड़ का पर्यटन व्यवसाय हो सकता है। इसका लाभ स्थानीय नागरिकों को रोजगार व उनके व्यवसाय में वृद्धि के रूप में मिलेगा। उन्होंने बताया कि कम्पिल, संकिसा, पटियाली आदि ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया है, पर्यटन विकास की काफी संभावनायें हैं। वे अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर उत्तर प्रदेश सरकार को देंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के राजी हो जाने पर केन्द्र सरकार से विभिन्न पर्यटन बढ़ावा सम्बन्धी योजनाओं को क्रियान्वित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि उनकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट में अच्छे होटल, रेस्टोरेन्ट व विभिन्न पार्कों व गंगा घाटों के विकास की योजना शामिल होगी।

■ पत्रकारों से वार्ता करते ए.के.गुप्ता, नीरा मिश्रा व अन्य। जागरण

सीनियर कन्सलटेन्ट को फर्रुखाबाद लाने वाली द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा ने कहा कि वह फर्रुखाबाद निर्माण सेना की स्थापना करेंगी, जिसका काम रचनात्मक कार्यों के माध्यम से फर्रुखाबाद का विकास करना होगा। श्रमदान, वृक्षारोपण, सफाई अभियान, पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा, कला संस्कृति का उत्थान आदि कार्य होंगे। जिलाधिकारी को सेना का अध्यक्ष बनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने भारत निर्माण प्रोजेक्ट के लिये भारत सरकार को काफी धनराशि दी है। हमारा प्रयास होगा कि फर्रुखाबाद भी इस प्रोजेक्ट में शामिल हो। वार्ता के दौरान यूथ वेलफेयर सोसाइटी के सचिव प्रशान्त चौहान व नितिन अग्रवाल उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद आज
कानपुर, 6 सितम्बर 2005

फर्रुखाबाद को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना हमारा उद्देश्य-नीरा

भारत निर्माण के लिये विश्व बैंक ने केन्द्र को काफी पैसा दिया है गुप्ता

फर्रुखाबाद 5 सितम्बर। फर्रुखाबाद को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना हमारा उद्देश्य है इसके लिये फर्रुखाबाद निर्माण सेना का गठन किया जायेगा जो प्रत्येक क्षेत्र में जिले के विकास के लिये प्रतिबद्ध होगी यह बात आज सूर्या सभागार में द्रोपदी ट्रस्ट की प्रमुख नीरा मिश्रा ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुये कही।

उन्होंने कहा कि गंगा के किनारे होने के कारण फर्रुखाबाद को पर्यटक स्थल बनाने की सोच उभरी है। यह स्थान ऐसा है जहां कम से कम दस ऐसे स्थान हैं जिन्हे विकसित करके और उनका सुन्दरी करण करके उन्हे पर्यटकों हेतु आकर्षण के केन्द्र बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम हमारे साथ में यहां निवासियों का भी कर्तव्य है कि वे शहर को स्वच्छ रखें। उन्होंने कहा कि कम्पिल, संकिसा, और श्रृंगीराम पुर तथा विश्रात और वन चेतना केन्द्र कुटला डीह ऐसे स्थान है जो पर्यटक स्थल मे विकसित किये जा सकते हैं। हम फर्रुखाबाद को हरित बनने के लिये वृक्षा रोपण को प्राथमिकता देंगे तथा उसके ऐतिहासिक विकास एवं वातावरण के सुधार हेतु मे भूमिका बनायेंगे सफाई के लिये हम यहां की समाज सेवी संस्थाओं से सहयोग लेंगे। उन्होंने अगले सप्ताह तक फर्रुखाबाद सेना के गठन के संकेत दिये उन्होंने कहा कि प्रत्येक दुकान दार अपनी दुकान के सामन एक वृक्ष लगाये या अपने घर एक वृक्ष लगाये। इस मौके पर भारत पर्यटन विकास निगम के वरिष्ठ प्रबन्धक ए.के. गुप्ता ने कहा कि विश्व बैंक ने भारत निर्माण के करोड़ो रुपया केन्द्र सरकार को दिया है। फर्रुखाबाद सेना ऐसे प्रोजेक्ट बनाकर भेजे कि व धन प्राप्त हो सके तथा फर्रुखाबाद को पर्यटक स्थल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि फर्रुखाबाद को विश्व बैंक के पर्यटन मानचित्र मे लाना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन एक अच्छा रोजगार सिद्ध हो सकता है क्योंकि औसतन एक दिन में ८० डालर खर्च करता है। यदि पर्यटक यहां आते है तो इन पैसे का बटवारा विभिन्न कार्यों मे होगा तथा रोजगार भी प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि हमारी टीम ने जिले के विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण किया। इस बारे में वे अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजेंगे। यूथ वेल फेयर सोसायटी की कार्यशाला मे भाग लेने आये दोनो लोगो ने सोसायटी के अध्यक्ष प्रशान्त चौहान से आगे बढ़कर कार्य करने की बात कही। प्रशान्त चौहान ने इस अवसर पर कहा कि लोगो को महसूस होना चाहिये कि वे नागरिक है इससे दायित्वो का ज्ञान होगा। इस अवसर पर नितिन अग्रवाल भी मौजूद रहे।

अमर उजाला
कानपुर, शनिवार, 29 अप्रैल, 2006 9

द्रोपदी ट्रस्ट-सरकार मिल कर करेंगे नगर विकास

अमर उजाला प्रतिनिधि

कंपिल (फर्रुखाबाद)। दिल्ली से आई वास्तुशास्त्री डा. बीबी पुरी ने शुक्रवार को कहा कि इस नगरी के तीर्थ स्थानों का विकास द्रोपदी ट्रस्ट तथा सरकार दोनों मिलकर कराएंगे। उन्होंने नगर के ऐतिहासिक रामेश्वर नाथ मंदिर, द्रोपदी कुंड, कपिल मुनि की मठिया, विश्रात घाट आदि को देखा।

वास्तुशास्त्री ने कहा कि शास्त्र के हिसाब से यह पुरानी जगह है। कपिल मुनि का मंदिर महाभारत काल का है। उन्होंने कहा कि विश्रांत घाट देखने से पता चलता है कि यह काफी पुराना है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस नगरी का विकास नहीं हुआ है। इसके विकास के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। मास्टर प्लान बनाकर ही इस नगरी का विकास कराया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि द्रोपदी ट्रस्ट के माध्यम से एक योजना बनाई जा रही है, ताकि यहां का विकास हो सके। वास्तुशास्त्री ने कहा कि उन्होंने 100 से अधिक वास्तुशास्त्र की किताबें लिखी हैं। ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरा मिश्रा ने कहा कि विश्रांत घाट के पास, जो गौशाला बनाई गई है, वह इस जगह के लिए घातक है।

उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि इस जगह का विकास हो। उन्होंने कहा कि सरकार से मिलकर इस नगरी के तीर्थ स्थानों का विकास कार्य कराएंगी। उन्हें इस बात का दुख है कि यहां के लोग उनका सहयोग नहीं कर रहे हैं। इस मौके पर अमित पांडेय, बंटी, आनंद स्वरुप चतुर्वेदी, [illegible] सक्सेना आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

दैनिक जागरण
रविवार, 30 अप्रैल 2006
जो प्रशंसा के पुल बांधे उससे दूर रहें

वास्तुशास्त्र से 7 दिन में लाभ का दावा

सिटी रिपोर्टर, फर्रुखाबाद

जाने-माने वास्तुशास्त्री बी.बी. पुरी ने कहा कि वास्तु शास्त्र विश्वव्यापी है और इसे हर धर्म के लोग मानते हैं। सी.आई.एफ.डी. सेंटरमें पत्रकारों से, वार्ता करते हुए वास्तुशास्त्री ने कहा कि वास्तु शास्त्र मैन, मैटेरियल व नेचर पर निर्भर है। यह एक ऐसा विज्ञान है जिससे सात दिन के अंदर ही फायदा नजर आने लगेगा।

श्री पुरी ने कहा कि शनिवार को उन्होंने कम्पिल के ऐतिहासिक स्थलों को देखा था। कम्पिल कस्बे के ढांचे को देखकर लगा कि यह वाकई नगर महाभारत कालीन रहा होगा।

उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में जागने से लेकर सोने तक की क्रिया में भी वास्तु का बड़ा महत्व है। घर की दिशा, बेड रूम व किचन का स्थान आफिस व फैक्ट्री की दिशा यह सब वास्तु के हिसाब से तो हम बहुत जल्द प्रगति कर सकते हैं। उन्होंने वास्तुशास्त्र के वेद से जुड़े होने का भी दावा किया।

■ पत्रकारों से वार्ता करते वास्तुशास्त्री बी.बी. पुरी साथ में नीरा मिश्रा आदि।

उन्होंने कहा कि आजकल हाईटेक जमाने में दैनिक जीवन में काम आने वाले उपकरण हमको बहुत हानि पहुंचाते हैं। अगर इनको भी वास्तु के हिसाब से उपयोग किया जाये तो हानियों का कम किया जा सकता है।

वार्ता के दौरान द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा, प्रशांत चौहान आदि लोग उपस्थित रहे।